

## छत्तीसगढ़ लघु वनोपजों के संग्रहण में अव्वल

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी 'द ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्राईफेड)' के आँकड़ों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान प्रथम तमिाही माह अप्रैल से जून तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपजों की खरीदी में छत्तीसगढ़ पूरे देश में प्रथम स्थान पर है।

### प्रमुख बडि

- ट्राईफेड द्वारा जारी कयि गए आँकड़ों के अनुसार राज्य में इस दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 80 करोड़ 12 लाख रुपए की राशिके 2 लाख 77 हजार 958 क्वटिल लघु वनोपजों की खरीदी की गई है, जो देश में इस दौरान 93 करोड़ रुपए मूल्य के कुल संगृहीत लघु वनोपजों का 88.36 प्रतिशत है।
- इनमें 40.90 करोड़ रुपए की राशिके 113614 क्वटिल इमली (बीज सहति) तथा 27.59 करोड़ रुपए की राशिके 1,37,946 क्वटिल साल बीज का संग्रहण कयि गया है। इसी तरह 4.15 करोड़ रुपए की राशिके 6,595 क्वटिल फूल इमली, 2.92 करोड़ रुपए की राशिके 2390 क्वटिल चरिौजी गुठली तथा 1.78 करोड़ रुपए की राशिके 10,493 क्वटिल बहेड़ा का संग्रहण शामिल है।
- इस दौरान माहुल पत्ता, नागरमोथा, भेलवा, बहेड़ा कचरयिा, धवई फूल (सूखा), हर्रा कचरयिा, पुवाड़ (चरोटा), बेल गूदा, सतावर (सूखी), कुसुम बीज, फूल झाड़ू, रंगीनी लाख, वन तुलसी, फूल इमली, जामुन बीज (सूखा), वन जीरा, इमली बीज, आँवला बीजरहति, कुसुमी लाख, कुल्लू गोंद, महुआ बीज, करंज बीज तथा बायबडगि का संग्रहण हुआ है।
- इसके अलावा पाताल कुमहड़ा (बेदारी कंद), तखिर, सवई घास, कोरयिा छाल, छन्दि घास, आँवला (कच्चा), काँटा झाड़ू, कुटज छाल, अडुसा पत्ता, इंदरजौ बीज, सफेद मूसली, पलाश फूल आदिका भी संग्रहण कयिा गया है।
- राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक संजय शुक्ला ने बताया किराज्य में वर्तमान में 52 लघु वनोपजों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। जनिमें साल बीज, हर्रा, इमली बीज सहति, चरिौजी गुठली, महुआ बीज, कुसुमी लाख, रंगीनी लाख, काल मेघ, बहेड़ा, नागरमोथा, कुल्लू गोंद, पुवाड़, बेल गूदा, शहद तथा फूल झाड़ू, महुआ फूल (सूखा) शामिल हैं। इसके अलावा जामुन बीज (सूखा), काँच बीज, धवई फूल (सूखा), करंज बीज, बायबडगि और आँवला (बीज सहति) तथा फूल इमली (बीजरहति), गलिय तथा भेलवा, वन तुलसी बीज, वन जीरा बीज, इमली बीज, बहेड़ा कचरयिा, हर्रा कचरयिा तथा नीम बीज शामिल हैं।
- इसी तरह कुसुमी बीज, रीठा फल (सूखा), शकिकाई फल्ली (सूखा), सतावर जड़ (सूखी), काजू गुठली, मालकांगनी बीज, माहुल पत्ता, पलास (फूल), सफेद मूसली (सूखी), इंदरजौ, पाताल कुमहड़ा तथा कुटज (छाल), अश्वगंधा, आँवला कच्चा, सवई घास, काँटा झाड़ू, तखिर, बीहन लाख-कुसुमी, बीहन लाख-रंगीनी, बेल (कच्चा) तथा जामुन (कच्चा) शामिल हैं।
- राज्य सरकार द्वारा कुसुमी लाख, रंगीनी लाख और कुल्लू गोंद की खरीदी में समर्थन मूल्य के अलावा अतिरिक्त प्रोत्साहन राशिके भी दी जा रही है।